गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल: भारत के लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र का कायाकल्प

यूपीएससी (UPSC) प्रासंगिकता

- **सामान्य अध्ययन II:** बुनियादी ढांचा शासन, केंद्र-राज्य समन्वय, पीपीपी (PPP) मॉडल।
- **सामान्य अध्ययन III:** लॉजिस्टिक्स, परिवहन सुधार, आर्थिक विकास, जलवायु शमन।

चर्चा में क्यों?

भारतीय रेलवे **पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान** के तहत गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल (GCT) का विस्तार कर रहा है। अब तक 306 टर्मिनलों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 118 चालू हो चुके हैं। इस पहल ने ₹8,600 करोड़ का निजी निवेश जुटाया है और यह लॉजिस्टिक्स लागत तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

पृष्ठभूमि: भारत की दीर्घकालिक लॉजिस्टिक्स समस्या

कई वर्षों तक भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली निम्नलिखित समस्याओं से ग्रस्त थी:

- **उच्च लॉजिस्टिक्स लागत:** पहले यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का लगभग 13-14% थी।
- **सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता:** माल ढुलाई के लिए रेल के बजाय सड़कों का अधिक उपयोग।
- **समन्वय का अभाव:** रेलवे, सड़क, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के बीच खराब तालमेल। इन कारणों से भारतीय सामान वैश्विक बाजार में कम प्रतिस्पर्धी थे और सड़क पर भीड़भाड़, ईंधन की खपत तथा प्रदूषण में वृद्धि हुई थी। हाल के सुधारों ने लॉजिस्टिक्स लागत को **जीडीपी के 7.97%** तक कम कर दिया है, जो वैश्विक मानकों के करीब है।

पीएम गति शक्ति और कार्गो टर्मिनलों की आवश्यकता

पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान एक ही डिजिटल और योजना मंच पर कई बुनियादी ढांचा क्षेत्रों को एक साथ लाता है। इसका उद्देश्य है:

1. निर्बाध मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
2. परियोजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करना।
3. संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना। इस ढांचे के भीतर, **गति शक्ति कार्गो टर्मिनल** (GCT) जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन इकाइयों के रूप में कार्य करते हैं, जो योजना को कुशल माल आवाजाही में बदलते हैं।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (GCT) क्या हैं?

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल आधुनिक, मल्टी-मोडल माल ढुलाई केंद्र हैं जिन्हें रेल मंत्रालय की **GCT नीति, 2021** के तहत विकसित किया गया है।

इनकी मुख्य भूमिका:

- रेलवे को सड़कों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के साथ जोड़ना।
- थोक (Bulk) और कंटेनरीकृत कार्गो दोनों का प्रबंधन करना।
- निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना। पुरानी बिखरी हुई व्यवस्था के विपरीत, GCT केंद्रीकृत हब बनाते हैं जो देरी, लागत और अक्षमताओं को कम करते हैं।

दक्षता बढ़ाने वाली प्रमुख विशेषताएं

1. इंजन-ऑन-लोड (EOL) संचालन

- लोडिंग/अनलोडिंग के दौरान लोकोमोटिव (इंजन) ट्रेन के साथ ही जुड़ा रहता है।
- काम पूरा होते ही ट्रेन तुरंत रवाना हो जाती है।
- **परिणाम:** इससे रुकने का समय (Detention time) कम होता है और संपत्तियों का बेहतर उपयोग होता है।

2. आधुनिक बुनियादी ढांचा

- मैकेनाइज्ड लोडिंग सिस्टम, साइलो और फुल-लेंथ रेक हैंडलिंग की सुविधा।
- कार्गो की तेजी से हैंडलिंग और माल की चोरी या क्षति में कमी।

3. सहायक नीतिगत प्रोत्साहन

- भूमि लाइसेंस शुल्क और विभागीय शुल्कों की छूट।
- रेलवे द्वारा ट्रैक, सिग्नलिंग और OHE (ओवरहेड उपकरण) का रखरखाव।
- उच्च माल ढुलाई वाले टर्मिनलों के लिए माल भाड़े में 10% की छूट।
- आरएलडीए (RLDA) के माध्यम से अतिरिक्त रेलवे भूमि का मुद्रीकरण।

रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है?

रेल परिवहन के लाभ:

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- यह सड़क परिवहन की तुलना में **आधी से भी कम लागत** वाला है।
- यह लगभग **90% कम कार्बन** उत्सर्जित करता है।
- सड़कों पर भीड़भाड़ और ईंधन आयात को कम करता है। वर्ष 2014 से अब तक, 2,672 मिलियन टन माल सड़क से रेल पर स्थानांतरित हुआ है, जिससे **143.3 मिलियन टन** CO_2 की बचत हुई है।

जमीनी स्तर पर GCT के उदाहरण

- **मानेसर GCT (हरियाणा):** मारुति सुजुकी के प्लांट में भारत का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल GCT। यह सालाना 4.5 लाख वाहनों का प्रबंधन करता है।
- **पूर्वोत्तर GCT (असम):** मोइनारबंद और सिन्नामारा टर्मिनल पेट्रोलियम, खाद्यान्न और उर्वरकों का प्रबंधन करते हैं, जिससे पूर्वोत्तर में बाजार पहुंच आसान हुई है।
- **न्यू संजली GCT (गुजरात):** पश्चिमी समर्पित माल गलियारे (WDFC) के किनारे निजी भूमि पर बना पहला GCT।

अब तक की उपलब्धियां

- 306 GCT स्वीकृत, 118 चालू।
- **192 मिलियन टन** वार्षिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता।
- **₹8,600 करोड़** का निजी निवेश जुटाया गया।
- माल ढुलाई राजस्व चार गुना बढ़कर **₹12,608 करोड़** हो गया।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

चुनौतियां और कार्यान्वयन अंतराल

- कुछ क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विरोध।
- कुछ टर्मिनलों तक 'लास्ट-माइल' (अंतिम छोर तक) सड़क कनेक्टिविटी की कमी।
- रेलवे, राज्यों और निजी संस्थाओं के बीच समन्वय की चुनौतियां।
- निजी निवेश का असमान वितरण (केवल उच्च लाभ वाले गलियारों तक सीमित)।

शासन और संस्थागत सुधार

GCT बुनियादी ढांचा शासन में एक बदलाव का संकेत देते हैं:

- अलग-थलग (Silo-based) योजना के बजाय **'संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण'** (Whole-of-government approach)।

- राज्य रेल निगमों के माध्यम से मजबूत केंद्र-राज्य समन्वय।
- तेजी से अनुमोदन और समयबद्ध कार्यान्वयन।
- सार्वजनिक भूमि और पीपीपी (PPP) ढांचे का बेहतर उपयोग।

आगे की राह

- कम सेवा वाले क्षेत्रों में निजी भागीदारी का विस्तार करना।
- औद्योगिक समूहों और विकास गलियारों के आधार पर नए टर्मिनलों की पहचान करना।
- रीयल-टाइम ट्रैकिंग और एनालिटिक्स के लिए डिजिटल एकीकरण को मजबूत करना।
- लॉजिस्टिक्स विस्तार को हरित परिवहन और स्थिरता लक्ष्यों के साथ जोड़ना।

निष्कर्ष

गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल भारत के लॉजिस्टिक्स तंत्र को सड़क-प्रधान और बिखरी हुई व्यवस्था से हटाकर एक एकीकृत, रेल-आधारित, कम लागत वाली और कम कार्बन वाली प्रणाली में बदलने का एक निर्णायक कदम है। बुनियादी ढांचे, डिजिटल शासन और निजी भागीदारी को जोड़कर, GCT भारत में भविष्य के लिए तैयार लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की नींव रख रहे हैं।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल भारत में खंडित लॉजिस्टिक्स से एकीकृत, रेल-आधारित माल आवाजाही की ओर एक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं।" पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत भारत के लॉजिस्टिक्स सुधारों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (10 अंक | 150 शब्द)

प्रश्न 2. भारत में लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (GCT) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (10 अंक | 150 शब्द)